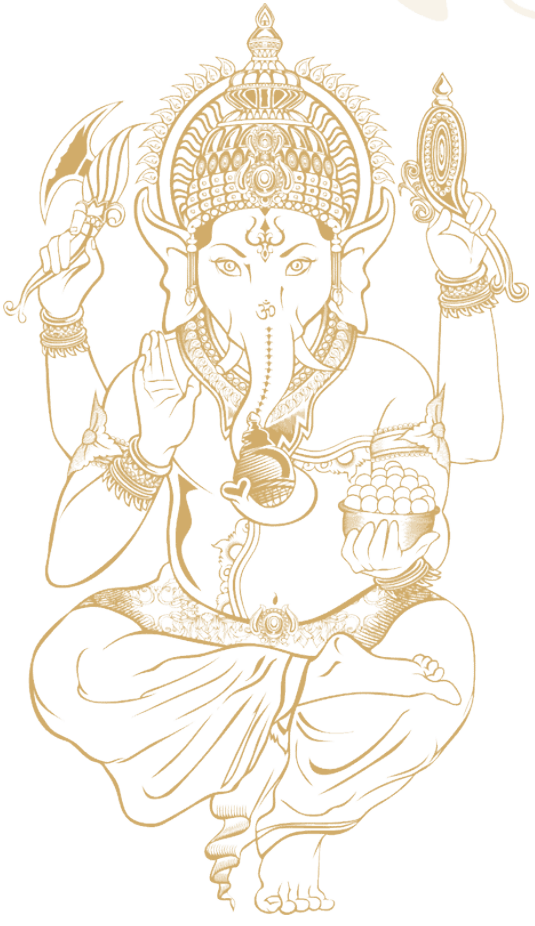

Kushagra

01 Nov 2004

07:42 AM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 121799302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/11/2004**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**07:42:00 घंटे**
इष्ट	03:33:57 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:35:36 घंटे
वेलान्तर	00:16:27 घंटे
साम्पातिक काल	10:18:27 घंटे
सूर्योदय	06:16:25 घंटे
सूर्यास्त	17:23:26 घंटे
दिनमान	11:07:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	15:04:31 तुला
लग्न के अंश	02:43:27 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शिव
करण	बालव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:43:27	309:45:54	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			तुला	15:04:31	01:00:01	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	नीच राशि
चंद्र			वृष	29:46:22	11:57:25	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			कन्या	29:22:29	00:39:35	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	00:58:07	01:28:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
गुरु			कन्या	13:51:09	00:11:58	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	09:47:09	01:12:43	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	नीच राशि
शनि			कर्क	03:22:21	00:00:49	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	08:11:44	00:01:11	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	08:11:44	00:01:11	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	08:59:55	00:00:32	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	18:42:05	00:00:16	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	26:37:23	00:01:48	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	08:43:26	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:18

लग्न-चलित

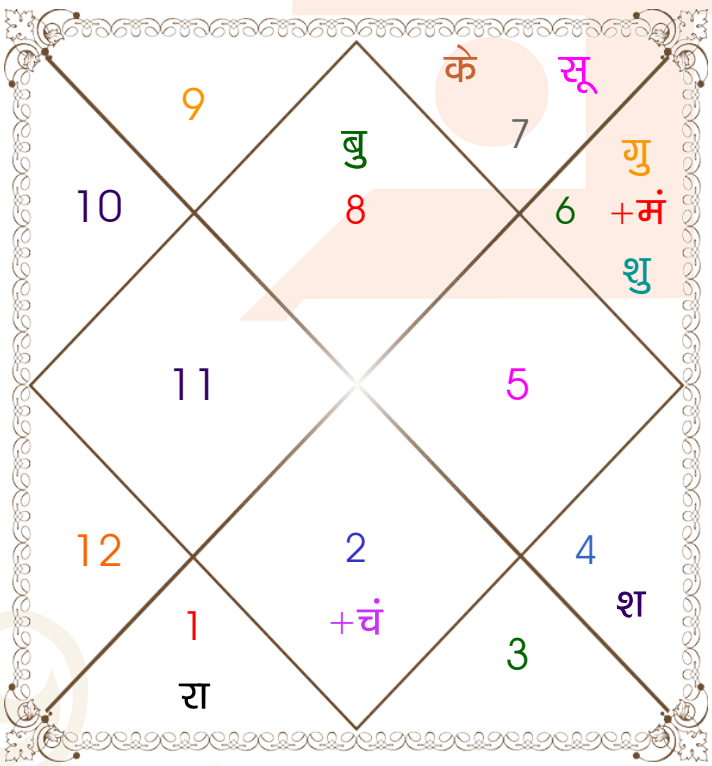

चन्द्र कुंडली

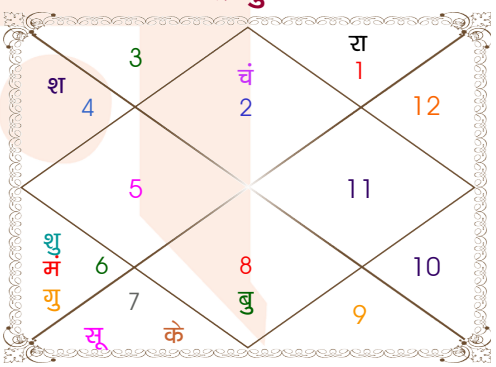

नवमांश कुंडली

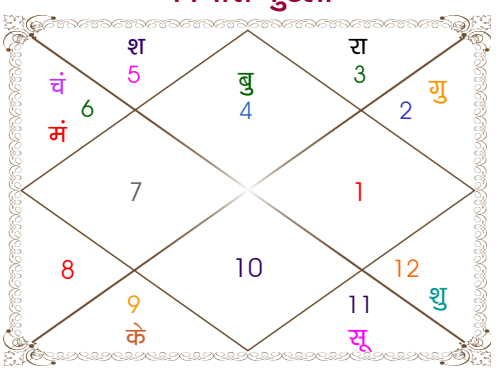

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 7 मास 13 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/11/2004		15/06/2008		15/06/2026		15/06/2042		15/06/2061	
15/06/2008		15/06/2026		15/06/2042		15/06/2061		15/06/2078	
	00/00/0000	राहु	26/02/2011	गुरु	02/08/2028	शनि	18/06/2045	बुध	12/11/2063
	00/00/0000	गुरु	22/07/2013	शनि	14/02/2031	बुध	26/02/2048	केतु	08/11/2064
	01/11/2004	शनि	28/05/2016	बुध	22/05/2033	केतु	06/04/2049	शुक्र	09/09/2067
शनि	14/12/2004	बुध	15/12/2018	केतु	28/04/2034	शुक्र	06/06/2052	सूर्य	15/07/2068
बुध	12/12/2005	केतु	02/01/2020	शुक्र	27/12/2036	सूर्य	19/05/2053	चंद्र	15/12/2069
केतु	10/05/2006	शुक्र	02/01/2023	सूर्य	15/10/2037	चंद्र	18/12/2054	मंगल	12/12/2070
शुक्र	10/07/2007	सूर्य	27/11/2023	चंद्र	14/02/2039	मंगल	27/01/2056	राहु	30/06/2073
सूर्य	15/11/2007	चंद्र	28/05/2025	मंगल	21/01/2040	राहु	03/12/2058	गुरु	06/10/2075
चंद्र	15/06/2008	मंगल	15/06/2026	राहु	15/06/2042	गुरु	15/06/2061	शनि	15/06/2078

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/06/2078		15/06/2085		16/06/2105		17/06/2111		16/06/2121	
15/06/2085		16/06/2105		17/06/2111		16/06/2121		00/00/0000	
केतु	11/11/2078	शुक्र	15/10/2088	सूर्य	04/10/2105	चंद्र	16/04/2112	मंगल	12/11/2121
शुक्र	12/01/2080	सूर्य	15/10/2089	चंद्र	04/04/2106	मंगल	15/11/2112	राहु	01/12/2122
सूर्य	18/05/2080	चंद्र	16/06/2091	मंगल	10/08/2106	राहु	17/05/2114	गुरु	07/11/2123
चंद्र	17/12/2080	मंगल	15/08/2092	राहु	05/07/2107	गुरु	16/09/2115	शनि	02/11/2124
मंगल	16/05/2081	राहु	15/08/2095	गुरु	22/04/2108	शनि	16/04/2117		00/00/0000
राहु	03/06/2082	गुरु	15/04/2098	शनि	04/04/2109	बुध	16/09/2118		00/00/0000
गुरु	10/05/2083	शनि	16/06/2101	बुध	08/02/2110	केतु	17/04/2119		00/00/0000
शनि	18/06/2084	बुध	16/04/2104	केतु	16/06/2110	शुक्र	15/12/2120		00/00/0000
बुध	15/06/2085	केतु	16/06/2105	शुक्र	17/06/2111	सूर्य	16/06/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 7 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।